



**::आयुक्त (अपील-III) का कार्यालय,केंद्रीय उत्पाद शुल्क::**  
**O/O THE COMMISSIONER (APPEALS-III), CENTRAL EXCISE,**  
द्वितीय तल, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भवन / 2<sup>nd</sup> Floor, Central Excise, Bhavan,  
रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,  
**राजकोट / Rajkot -- 360001**  
Tele / Fax No.: 0281 - 2477952/2441142 Email : cexappealsrajkot@gmail.com



**रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-**

क	अपील / फाइल संख्या / Appeal / File No.	मूल आदेश सं / O.I.O. No.	दिनांक / Date
	<b>V2/49 /GDM/2016</b>	<b>01/AC/Anjar/2016-17</b>	<b>27.05.2016</b>

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

**KCH-EXCUS-000-APP-001-2017-18**

आदेश दिनांक / Date of Order:	<b>25.04.2017</b>	जारी करने की तारीख / Date of issue:	<b>26.04.2017</b>
---------------------------------	-------------------	--	-------------------

**श्री उमा शंकर, आयुक्त (अपील-III) द्वारा पारित /  
Passed by Shri Uma Shanker, Commissioner (Appeals-III)**

ग) उपर आयुक्त/सदुक्त/उपायुक्त/सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गन्धधाम द्वारा उपरोक्तित जारी मूल आदेश से सृजित /  
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham -

घ) **अपीलकर्ता/ प्रतिवादी का नाम एवं पता / Name & Address of the Appellant/ Respondent :-**  
**M/s. Ratnamani Metals & Tubes Ltd., Survey No. 474, Village : Bhimasar, Ta. Anjar, Kutch.**

इस आदेश(अपील) से संबंधित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।  
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

- (A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है।  
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-
- (i) इकाईकरण न्यायालय से सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जाती चाहिए।  
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.
- (ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बतलाए गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, 30-20, न्यू मेंटल हॉस्पिटल कंपाउंड, मेघानी नगर, अहमदाबाद-380016, को की जाती चाहिए।  
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-20, New Mental Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad: 380016, in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above
- (iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गये फॉर्म EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की राशि, धातु की राशि और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किली भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेकॉजिट बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।  
The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.
- (B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (जिसमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की राशि, धातु की राशि और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किली भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेकॉजिट बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।  
The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.

(i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धारा (2) एवं (2A) के अंतर्गत दान की गई अपील, सेवाकर विधायिका, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-7 में की जा सकती एवं उसके साथ अनुबन्ध, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अध्याय अनुबन्ध (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रस्तुतित होनी चाहिए) और अनुबन्ध द्वारा सहायक अनुबन्ध अथवा उपानुबन्ध, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, को अपील न्यायाधिकरण को आवेदन दान करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। /  
The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in For ST 7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

(ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण (सेस्टैट) के प्रति अपील के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एक के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपील न्यायाधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवाकर का मूल्य के 10 प्रतिशत (10%), जब मूल्य एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्त कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित टैक्स रशि टैक्स क्रेडिट स्थापना से अधिक न हो।

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "बांध किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है
  - (ii) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
  - (iii) सेस्टैट जमा की गई राशि
  - (iv) सेस्टैट जमा विधायिका के नियम 6 के अंतर्गत टैक्स रकम
- बशर्त कि इस धारा के प्रावधान विधायिका (सं. 2) अधिनियम 2014 के अंतर्गत से पूर्व किसी अपील न्यायाधिकरण के समक्ष विचाराधीन इकाय अर्थात् अपील को लागू नहीं होगी।

For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.

Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules

- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :  
Revision application to Government of India.

इस आदेश की पुनरीक्षण याचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रावधानों के अंतर्गत अर्ज सचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, वित्त संचालन, राजस्व विभाग, चौथी अंतिम, जीवाणु टैप भवन, संसद भवन, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। /  
A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid:

(i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी मात्रा के किसी कारखाने से भंडार गृह के परिवहन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह परिवहन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के परामर्श के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। /  
In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छुट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। /  
In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। /  
In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

(iv) मुनिविधित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मांग की गई है और ऐसे आदेश जो अनुबन्ध (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (सं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा निर्यात की गई लॉजिक्स अथवा समाचारिधि पर या बाद में पारित किए गए हैं। /  
Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियाँ फॉर्म संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) विधायिका, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत निर्दिष्ट है, इस आदेश के संशोधन के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदनों के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियाँ संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के साक्ष्य के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। /  
The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए। /  
जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए। /  
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac

(D) यदि इस आदेश में कोई मूल आदेश का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त इन में किया जाना चाहिए। इस तथ्य के होने हुए भी की निम्न नहीं करके से करने के लिए वास्तविक अपील न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। /  
In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.

(E) वास्तविक न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए। /  
One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act,1975, as amended.

(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण (सर्वे विधि) विधायिका, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्बन्धित करने वाले विषयों की और भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। /  
Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(G) उच्च अपील न्यायाधिकरण को अपील दाखिल करने से संबंधित विवरण और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपील न्यायाधिकरण वेबसाइट [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in) को देख सकते हैं। /  
For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in)

**:: ORDER IN APPEAL ::**

M/s. Ratnamani Metals & Tubes Ltd., Survey No. 474, Bhachau - Anjar Road, Village: Bhimasar, Taluka - Anjar, Kutch (hereinafter referred to as 'the appellant') has filed the present appeal against the Order-in-Original No. 01/AC/ANJAR/2016-17 dated 27.05.2016 (hereinafter referred to as 'the impugned order') passed by the Assistant Commissioner, Central Excise Division, Anjar (hereinafter referred to as "the adjudicating authority").

2. Briefly stated facts of the case are that during the course of audit of M/s Inductotherm India Pvt. Ltd., Bopal, it was observed that they had cleared certain inputs i.e. parts of Induction Furnace on 'as such' basis to the appellant under the cover of Central Excise invoice. It appeared that M/s Inductotherm India Pvt. Ltd. had availed NIL CENVAT credit on the said inputs valued at Rs.1,40,980/- involving Central Excise duty of Rs.17,425/-, however, cleared the same on payment of Central Excise duty of Rs.17,425/- and the appellant availed its credit. It appeared that M/s Inductotherm India Pvt. Ltd. had paid excess amount/duty of Rs.17,425/- on its own volition without its being legally leviable, therefore, the CENVAT credit of Rs.17,425/- taken by the appellant appeared to be inadmissible and in contravention of the provisions of Rule 9(5) of the CENVAT Credit Rules, 2004 (herein after referred to as "CCR, 2004").

3. The above observations led to the issuance of a Show Cause Notice No.CEX/GIM/DSCN/17/Ratnamani/2014-15 dated 13.05.2015, which was adjudicated by the adjudicating authority vide impugned order under which he disallowed the CENVAT Credit of Rs.17,425/- wrongly taken / utilized by the appellant and confirmed the demand from the appellant alongwith interest under Rule 14 of the CCR, 2004 and also imposed penalty under Rule 15 of the CCR, 2004.

4. Being aggrieved with the impugned order the appellant preferred the appeal mainly relying upon the following case laws:

- Sarang Springs P. Ltd. – 2006 (108) ECC 559
- Kerala State Electricity Corporation – 1196 (84) ELT 144 (Tri.)
- Trinetra Texturisers (P) Ltd. – 2004 (166) ELT 384 (Tri. – Mum.)
- Tube Investments of India Ltd. – 2004 (176) ELT 33 (Tri. – Bangalore)

They further contended that they had received the goods as consigned vide invoice no.7286 dated 08.10.2012 showing price & duty mentioned therein and availed CENVAT credit on the basis of invoice issued under Rule 11 of the Central Excise Rules, 2002, which is a prescribed document under Rule 9 of the CCR, 2004. In support of their case, they also relied upon the decisions in the case of (i) M/s. V. G. Steel



Industry – 2012 (27) STR 94 (P & H); (ii) M/s. Guwahati Carbons Ltd. – 2010-TIOL-609-HC-P&H-CX; and (iii) M/s. Ranbaxy Labs Ltd. – 2006-TIOL-439-HC-P&H-CX. Further, when there is no amount due on merit, the question of levying any interest or imposing any penalty does not arise.

5. The personal hearing in the matter was held on 22.03.2017. Shri R. Ravichandran, G.M., Commercial appeared for the personal hearing and reiterated the grounds of appeal. He submitted that they have paid duty and taken Credit and submitted copy of invoice no.7286 dated 08.10.2012 and citation Sarang Springs P. Ltd. – 2006 (108) ECC 559.

6. I have carefully gone through the case records and oral submissions made by the appellant at the time of hearing. The short issue to be decided in the present case is as to whether CENVAT credit of Rs.17,425/- taken by the appellant is admissible to them, or otherwise.

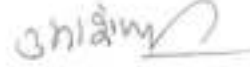
7. I find that Rule 3 of the CCR, 2004 provides for taking credit of the duty paid on the inputs and capital goods received in the factory on the strength of documents specified in Rule 9(1) of the CCR, 2004. Rule 9(1) *ibid* specifies the documents on which Cenvat credit can be taken and one such document is invoice issued by a manufacturer from his factory or depot or from the premises of the consignment agents or any other premises from where such goods are sold. In the instant case, I observe that the appellant has taken CENVAT Credit of Rs.17,425/- on the basis of invoice no.7286 dated 08.10.2012 issued under Rule 11 of the Central Excise Rules, 2002 by M/s Inductotherm India Pvt. Ltd., which is a valid document for availing CENVAT Credit. Further, the receipt of goods covered by the invoice showing payment of duty is not disputed either in the SCN or in the impugned order. The eligibility of the goods for credit, their receipt and use in the factory are also not in dispute. Similarly, the fact that the appellant has paid the price and the duty as shown in the invoice to the supplier is also not in dispute. As long as amount of duty as indicated in the duty paying documents (i.e., excise invoice) has been paid and as long as inputs/capital goods which are indicated in the duty paying documents are eligible for credit and are received and used by a manufacturer in his factory, there cannot be any ground for denial of credit. The manner in which the manufacturer / supplier has paid the duty on the goods so supplied is irrelevant. My this view is also bolstered by the decision in the case of IPF VIKRAM INDIA LTD. - 2016 (343) E.L.T. 540 (Tri. - Del.), wherein it is held as under:

**\*Cenvat credit - Excess amount paid by supplier - Eligibility - Assessee entitled to take credit of duty paid on inputs - In fact no proceedings required to be taken against assessee - Impugned order set aside - Rule 3 of Cenvat Credit Rules, 2004. [para 6]\***

8. In view of above discussion and findings, I allow the appeal filed by the appellant and set aside the impugned order.

9. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

9. The appeal filed by the appellant stands disposed off in above terms.



(उमा शंकर)

आयुक्त (अपील्स - III)

By R.P.A.D.

To,

M/s. Ratnamani Metals & Tubes Ltd.,  
Survey No.474, Bhachau - Anjar Road,  
Village: Bhimasar, Taluka - Anjar  
Kutch.

Copy to:

1. The Chief Commissioner, Central Excise, Ahmedabad.
2. The Commissioner, Central Excise, Kutch (Gandhidham).
3. The Assistant Commissioner, Central Excise Division, Anjar.
4. The Deputy/Assistant Commissioner (systems), Central Excise, HQ, Gandhidham with a request to upload the same on the website.
5. The Superintendent, Central Excise Range- IV, Anjar.
6. PA to the Commissioner (Appeals- III), Central Excise, Ahmedabad.
7. Guard File.